MASA-02

December - Examination 2019

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper - MASA-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) कालिदास कृत मालविकाग्निमित्रम् में कितने अंक हैं?

(ii) मेघदूतम् में मुख्यतया किस छन्द का प्रयोग किया गया है?

(iii) आपके पाठ्यक्रम में विद्यमान रूपकों में से करभक पात्र का उल्लेख किस रूपक में है?

(iv) देवी चन्द्रगुप्त किसकी रचना है?

(v) ''विश्वासनाधरकिसलयक्लेशिना विक्षिपन्तीम्'' मेघदूत की इस पंक्ति में किसकी दशा की चर्चा हुई है?

(vi) मुद्राराक्षसम् के अनुसार विशाखादत्त के पिता एवं पितामह का क्या नाम है?

(vii) मृच्छकटिकम् के नवम अंक का क्या नाम है?

(viii) नाटक अन्त में पढ़े गये वाक्य को क्या कहा जाता है?

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए।

(अ) तस्य स्थित्वा कथमपि पुरः कौतुकाधानहेतौः
अन्तर्वाष्पश्चिरमनुचरो राजरास्य दध्यौ।
मेघालोके भवति सुखिनोऽप्यन्यथावृत्ति चेतः
कण्ठाश्लेषप्रणयिनि जने किं पुनर्दूरसंस्थे।।

अथवा

(अ) भर्तुः कण्ठच्छविरिति गणैः सादरं वीक्ष्यमाणः
पुण्यं यायास्त्रिभुवनगुरोर्धाम चण्डीश्वरस्य।
धूतोद्यानं कुवलयरजोगन्धिभिर्गन्धवत्या –
स्तोयक्रीड़ानिरतयुवतिस्नातितैर्मरुद्भिः।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए –

(अ) समुत्खाता नन्दा नव ह्रदयरोगा इव भुवः, कृता मौर्य्ये लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा।

द्वयोः सारं तुल्यं द्वितयमभियुक्तेन मनसा, फलं कोप–प्रीत्योर्द्विषति च विभक्तं सुह्रदि च।।

अथवा

(अ) एतत्तु मां दहति यद् गृहमस्मदीयं, क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति।।
संशुष्कसान्द्रमदलेखमिव भ्रमन्तः, कालात्यये मधुकराः करिणः कपोलम्।।

4) भरतमुनि के अनुसार रूपक किसे कहते हैं? रूपक के भेदों का नामोल्लेख कीजिए?

5) मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर राक्षस पात्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6) ''स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु'' मेघदूतम् की इस सूक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7) शूद्रक एक राजा था अथवा सामान्य व्यक्ति – इस कथन की संक्षिप्त परीक्षा कीजिए।

8) मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर ''अत्यादरः शंकनीयः'' इस सूक्ति की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

9) मृच्छकटिकम् नाटकानुसार ''साहसे श्री प्रतिवसति'' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) ''अर्थान्तरन्यासविन्यासे कालिदासोर्विशिष्यते'' इस पंक्ति की व्याख्या कालिदास की भाषा–शैली के सन्दर्भ में कीजिए?

11) गीतिकाव्य किसे कहते हैं? गीतिकाव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12) मुद्राराक्षसम् नाटक के नामकरण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इस नाटक की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

13) मृच्छकटिकम् नाटक के आधार पर शकार का चरित्र चित्रण कीजिए।